लोकप्रशासन एवं निजी (व्यक्तिगत) प्रशासन

(1)

(Public Administration & Private Administration)

लोकप्रशासन तथा व्यक्तिगत प्रशासन के अन्तर को स्पष्ट करें।
Explain the differences between public & private Administration

अथवा

लोकप्रशासन तथा व्यक्तिगत प्रशासन के बीच खाईं कम होती जा रही है। विवेचना करें?
The distinction between public & Private Administration disappearing Elucidate.

लोकप्रशासन शब्द से ऐसा लगता है कि ऐसे प्रशासन भी है जिन्हें निजी या व्यक्तिगत प्रशासन कहा जाता है। परन्तु कुछ विचारकों का ऐसा कहना है कि एक ही तरह की मौलिक विशेषताओं से सम्पन्न होने के कारण सभी प्रशासन एक है और लोकप्रशासन को निजी या व्यक्तिगत प्रशासन से अलग करना सर्वथा अनुचित है। इस विचार के प्रवर्तकों में Henry Fayol, M.P. Fallet और L. Urwicks के नाम उल्लेखनीय है। Fayol के General and Industrial Management की प्रस्तावना में Urwicks ने ऐसा कहा है कि "The attempts to subdivide the study of management of administration in accordance with the purpose of particular forms of understanding seems to many authorities equally misdirected." (किसी विशेष प्रकार के संस्थान के उद्देश्य के अनुसार प्रबन्धकीय अथवा प्रशासनिक अध्ययन का उपविभाजन करना अधिकतर विद्वानों की दृष्टि से गलत होगा)।

लोकप्रशासन तथा निजी प्रशासन में बहुत सारी बातों में समानता है। सर्वप्रथम दोनों द्वारा required skill एक ही तरह के होते हैं। यही कारण है कि दोनों में कार्मिकों तथा अधिकारियों का बहुधा अदला-बदली होते रहता है। उदाहरण के लिए भारत में सेवानिवृत्त सरकारी पदाधिकारी अक्सर निजी प्रतिष्ठानों में रख लिये जाते हैं। इसी तरह सरकार भी योग्य पदाधिकारियों की कमी होने पर निजी प्रतिष्ठानों में कार्य करने वाले लोगों को सेवा के लिए आमंत्रित कर सकती है। 1949-50 में भारत सरकार ने ऐसा किया भी था। स्पष्ट है कि ऐसा करना कदापि संभव नहीं होता यदि लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन में मौलिक भेद होता।

दूसरे, इस कुछ वर्षों में व्यवसायिक प्रक्रिया और मापदण्डों ने लोकप्रशासन की पद्धति को एक बड़े अंश में प्रभावित किया है। सरकारी निगम संबंधी विचार इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। परन्तु इसके साथ ही बड़े-बड़े व्यवसायिक प्रतिष्ठान भी कार्मिक प्रशासन और कर्मचारी कल्याण संबंधी बातों में सरकारी प्रक्रियाओं से काफी प्रभावित हुए हैं।

अन्त में जैसा कि कुमारी फौले ने अपनी पुस्तक Dynamic Administration में कहती है कि व्यापारिक और औद्योगिक प्रशासन अपने को परिवर्तित परिस्थितियों के साथ बदलने और सामंजस्य स्थापित करने के क्षेत्र में काफी सक्रिय रहे हैं। लोक प्रशासन भी नयी-नयी तकनीकि के साथ अपने प्रयोगों के परिणामों को यद्यपि अनख़ुन

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

नहीं कर सकता।

यद्यपि यह सही है कि लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन में कुछ बातों में समानता है परन्तु इसके साथ ही लोकप्रशासन की अपनी आधारभूत विशेषताएँ हैं जो उसे व्यक्तिगत प्रशासन से स्पष्टतः भिन्न करती हैं।

Simon ने अपनी पुस्तक 'Public Administration' में सार्वजनिक परिकल्पना को अन्तर का आधार बतलाते हुए दोनों में तीन तरह का अन्तर करते हैं :-

(i) लोकप्रशासन bureaucratic है जबकि व्यक्तिगत प्रशासन business like है।

(ii) लोकप्रशासन राजनीतिक है जबकि निजी प्रशासन गैर राजनीतिक है।

(iii) लोकप्रशासन की विशेषता लाल फीताशाही है जबकि व्यक्तिगत प्रशासन इससे मुक्त है परन्तु यदि सच कहा जाय तो लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन के बीच Simon द्वारा जो किया गया अन्तर है वह <u>child-like</u> है जो तथ्यों के प्रसंग में उपयुक्त नहीं बैठता।

Sir Josia Stamp लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन में आठ तरह का अन्तर बतलाते हैं।

(i) एकरूपता के सिद्धांत पर आधारित :- लोकप्रशासन चूंकि एकरूपता के सिद्धांत पर आधारित है अतः प्रशासनिक कार्यों और निर्णयों के संबंध में संबंधित नियमों और प्रक्रियाओं में समरूपता होनी चाहिए। इसे सभी तरह के व्यक्तियों और वर्गों के साथ व्यवहार में समरूपता होना चाहिए और उनमें किसी तरह का विभेद नहीं करना चाहिए। परन्तु निजी प्रशासन के साथ ऐसी बात नहीं है। यहाँ ग्राहकों के किसी खास वर्ग के साथ पक्षपात पूर्ण व्यवहार किया जा सकता है।

(ii) बाह्य वित्तीय नियंत्रण के अधीन :- लोकप्रशासन बाह्य वित्तीय नियंत्रण के अधीन है, कार्यकारिणी स्वयं वित्त को नियंत्रित नहीं करती, वित्त का नियंत्रण विधानमण्डल के द्वारा होता है। परन्तु वित्त और प्रशासन में इस तरह का अन्तर व्यक्तिगत प्रशासन में देखने को नहीं मिलता।

(iii) लोक उत्तरदायित्व सिद्धांत के अधीन :- लोकप्रशासन लोक उत्तरदायित्व के सिद्धांत के अधीन है। जो खासकर संसदीय शासन व्यवस्था में लगातार और विस्तृत होता है। परन्तु व्यक्तिगत प्रशासन में प्रशासनिक प्रक्रियाओं के संबंध में इस तरह के उत्तरदायित्व जैसी कोई चीज नहीं होती।

(iv) लाभ की भावना व्यक्तिगत प्रशासन का निर्देशक सिद्धांत :- लाभ की भावना व्यक्तिगत प्रशासन का निर्देशक सिद्धांत होता है। इसमें क्या लाभ होगा, यह किसी व्यवसायी के लिए सर्वाधिक महत्व की चीज होती है। परन्तु लोकप्रशासन का मुख्य उद्देश्य जन कल्याण है। लाभ-हानि का गणित लोकप्रशासन में कार्यों का मापदण्ड नहीं है।

(v) वस्तुओं की खरीद, संविदा और निविदा आदि विषयों के सम्बन्ध में निजी प्रशासन की अपेक्षा लोकप्रशासन नियमों से अधिक regulated होता है

(vi) लोकप्रशासन समयबद्ध होता है जबकि निजी प्रशासन समयबद्ध नहीं है लोकप्रशासन में जनता के हितों को ख्याल में रखकर कार्य करना पड़ता है क्योंकि अगर प्रशासन में थोड़ी सी चूक हुई तो जनता आंदोलित हो उठता है जबकि निजी प्रशासन में जनता आँसू के घूँट पीकर रह जाता है।

(vii) लोकप्रशासन अपनी सेवाओं का विज्ञापन उस रूप में कभी भी नहीं कर सकता जिस रूप में व्यक्तिगत प्रशासन सामानों के विज्ञापन के सिलसिले में करता है।

(viii) लोकप्रशासन जनता की बहुतेरे आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कार्य करता है तथा उसकी पूर्ति भी करता है। लोकप्रशासन के द्वारा जनता के लिए रेल, डाकतार और अस्पताल

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

आदि की व्यवस्था की जाती है। इसके अतिरिक्त लोकप्रशासन देश की सुरक्षा, कानून और व्यवस्था से भी संबंधित होता है। परन्तु व्यक्तिगत प्रशासन इससे भिन्न जनता की आर्थिक आवश्यकताओं से ही सम्बन्धित होता है जैसे वस्त्र, चीनी और दूसरी वस्तुओं की।

दोनों के सम्बन्ध में सार्वजनिक दृष्टिकोण के आधार में भी अन्तर होता है जैसा कि Simon कहते हैं "People feel it more wrong or dangerous they think government to be more inefficient and perhaps also Corrupt."

लोकप्रशासन के कार्य शीघ्रता करने वाले होते हैं जिसका व्यक्तिगत प्रशासन में अभाव रहता है। उदाहरण के लिए शांति और व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि को ले सकते हैं जिसकी साधारण सी उपेक्षा से जनता को बहुत अधिक हानि हो सकती है।

संगठन की दृष्टि से भी लोकप्रशासन और व्यक्तिगत प्रशासन में अन्तर होता है। Huxley के अनुसार " The state lives in a glass house, we see what it tries to do and all its failure partial or total, are made the most of. But private enterprises is sheltered under good opaque bricks and motors." (राज्य शीशे के मकान में रहता है -- इसकी त्रुटियाँ आंशिक हो या पूर्ण, हमारे सामने आती है। परन्तु इसके विपरीत निजी उद्यम की गतिविधियाँ ईंटों तथा चूने के भवन में बनी हुई होती हैं जिससे ये सब गतिविधियाँ अदृश्य हो जाती हैं)

लोकप्रशासन जिन सेवाओं का दायित्व उठाता है उनमें अधिकांशतः वह अपना एकाधिकार स्थापित कर लेता है तथा उनमें किसी प्रकार की प्रतिद्वन्द्विता की गुंजाईश नहीं रहती। इससे भिन्न प्रतिद्वन्द्विता व्यक्तिगत प्रशासन का निर्देशक सिद्धान्त है।

लोकप्रशासन के क्षेत्र में लोकसेवा की एक विशिष्ट चेतना परिव्याप्त रहती है जो व्यक्तिगत प्रशासन में नहीं। यहाँ पॉल एपलबी के शब्दों में " Government administration differ from all other administrative work by virtue of its public nature, the way in which it is subject to public scrutiny and out cry."

अन्ततः समस्त नागरिकों के साथ निष्पक्षता तथा सबके प्रति एक समान व्यवहार लोकप्रशासन का एक मूल लक्षण है। इसके विपरीत व्यक्तिगत प्रशासन में व्यक्तियों के बीच भेदभाव का व्यवहार एक सामान्य नियम बन जाता है। लोक प्रशासन के ये लक्षण उसे व्यक्तिगत प्रशासन की अपेक्षा भिन्न स्वरूप प्रदान करते हैं परन्तु व्यवसाय का वर्तमान सिद्धांत और प्रक्रिया दोनों में अन्तर से संबंधित सभी तथ्यों को संपूर्णता में मान्यता नहीं देते। उदाहरण के लिए वे इस तथ्य को अस्वीकार करते हैं कि आधुनिक व्यवसाय सिर्फ लाभ के लिए ही स्थापित और संचालित होते हैं।

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA

लाभ के अतिरिक्त उनका उद्देश्य जनता की आवश्यकताओं को पूरा करना भी होता है। (4)
जहाँ तक व्यवसाय के लोक उत्तरदायित्व का सवाल है तो इस संबंध में भी यह कहा जा सकता है कि कुछ क्षेत्र में लोक प्रशासन से अधिक और कुछ में यह कम है।

उपरोक्त तर्कों में यद्यपि सत्यता वर्तमान है फिर भी निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि लोकप्रशासन का अपना व्यक्तित्व और उसकी अपनी विशेषताएँ हैं जो उसे व्यक्तिगत प्रशासन से भिन्न करने के लिए पर्याप्त है। अतः निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि "Public and Private administration are the two species of the same senus but they have special value and techniques of their own which give to each its distinctive character."

(समाप्त)

डॉ० राजू मोची
विभागाध्यक्ष- राजनीति विज्ञान
डी- के- कालेज, डुमराँव
दिनांक - 09/07/20

REDMI NOTE 6 PRO
MI DUAL CAMERA